

कर लोगों को फुसला कर हजारों छोटी छोटी लड़कियों को दूसरे देशों में ले जाकर उनकी बेइज्जती करना उनकी मर्जी के खिलाफ—इस प्रकार की मिसचिफ जो फारेन मिशनरीज कर रहे हैं, उसके बारे में सी० बी० आई० की एनक्वायरी होनी चाहिये। यह काम केरल गवर्नमेंट से नहीं होगा इसके लिये बहस की इजाजत दीजिये।

MR. SPEAKER: Some Members met me this morning in this connection. I agreed for a calling attention motion. But let some more facts come. I have no objection to fix any debate on it.

श्री रणधीर सिंह: यह देश पर बड़ा भारी धब्बा है।... (व्यवधान)

श्री कंचर लाल गुप्त: अध्यक्ष महोदय, सरकार क्या कर रही है? वह देश की इज्जत बेच रही है। औरतों की बेइज्जती हो रही है और सरकार हमारे सामने बताती भी नहीं कि क्या हो रहा है।

12.20 hrs

ARREST OF MEMBERS

(*Sarvashri Arjun Singh Bhadoria and Shiva Chandra Jha*)

MR. SPEAKER: I have to inform the House that I have received the following communication, dated the 23rd August, 1970, from the Sub-Divisional Magistrate, Parliament Street Courts, New Delhi:—

"I have the honour to inform you that Sarvashri Arjun Singh Bhadoria and Shiva Chandra Jha, Members, Lok Sabha, were produced before me to day, the 23rd August, 1970, at 1.30 P. M., by the police who arrested them at Mehrauli, under Section 143, Indian Penal Code, for being members of an unlawful assembly. I ordered them to be released on bail on their furnishing per-

sonal-bond for Rs. 1,000/- each. They refused to furnish the requisite bond and as such were remanded to judicial custody till the 5th September, 1970. They are at present lodged in the Central Jail, Tihar, Delhi."

SHRI S. M. BANERJEE (Kanpur): On a point of order. You must have read in the papers, Sir. I have sent one Calling Attention Notice. There have been brutal lathi charges in Kanpur on SSP Members including legislators. Charan Singh's Government is doing all these things. He has refused to appoint a judicial enquiry. Fascism is going on dictatorship is going on, in U. P. The Centre should appoint a Commission to investigate into the whole thing. (Interruption)

श्री जनेश्वर मिश्र (फूलपुर): अध्यक्ष महोदय, कार्य सूची पर मेरी आपत्ति है। पिछले शुक्रवार को जो एजेन्डा हम लोगों को मिला था उसमें पश्चिम बंगाल के बजट के बाद हरिजन लोगों का सवाल था लेकिन आज के एजेन्डे में पश्चिम बंगाल, सामान्य बजट, यह सब कुछ रख दिया गया है और हरिजनों को पीछे ढकेल दिया गया है। सदन ने तय किया था कि हरिजनों के सवाल पर बीस घंटे बहस होगी। आपके सचिवालय से पूछा तो उन्होंने बताया कि कल की कार्यसूची में दिया है लेकिन हम समझते हैं वह कल नहीं आयेगा, अगले हफ्ते भी नहीं आयेगा और फिर यह सदन भी उठ जायेगा। तो मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूँ कि बंगाल के बाद हरिजनों वाले सवाल को लें।

श्री रामावतार शास्त्री (पटना): बंगाल के बाद हरिजनों वाले सवाल पर जरूर चर्चा होनी चाहिये।

12.23 hrs.

WEST BENGAL BUDGET, 1970-71, DEMANDS FOR GRANTS AND STATUTORY RESOLUTION RE: PROCLAMATION IN RELATION TO WEST BENGAL—(Contd)

MR. SPEAKER: There are 2 hours and